✮ वित्तीय हिन्दी से आप क्या समझते हैं? वित्तीय हिन्दी की क्या उपयोगिता है?

उत्तर →

✮ **भूमिका** :-

भाषा भावाभिव्यक्ति का माध्यम है। किन्तु जब यह संवेदना की आबद्धता से परे होकर किसी विशिष्ट विषयक की व्याख्या या व्यवस्था को सूचित करता है तब उसका स्वरूप आमतौर पर काफी परिवर्तित हो जाता है। क्षेत्र विस्तार तथा कार्य वहन के क्रम में हिन्दी की भी शब्दावलियाँ सुनिश्चित हो जाती हैं, जब उन्हें किसी विशिष्ट प्रयोजन हेतु आधार बनाया जाता है। ऐसा ही वित्तीय हिन्दी के संदर्भ में देखा जाता है।

मूलतः वित्तीय शब्द अंग्रेजी के 'फाइनेंस' (financial) का हिन्दी रूपान्तरण है जो वित्त की व्यवस्था से संबंधित है। जिसके लिए सामान्यतः आर्थिक नीति, राजस्व संबंधी विषयक, अर्थ विषयक, वित्त विषयक, वाणिज्यिक, राजकोषीय, मौद्रिक जैसे अनेक शब्दों को इसके पर्यायवाची के अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है। जिसका अर्थ है - धन के दक्ष एवं प्रभावशाली प्रबंधन।

✮ **परिभाषा** :-

'वित्तीय' शब्द 'वित्त' शब्द में 'ईय' प्रत्यय लगने से बना है। वित्त शब्द का शाब्दिक अर्थ धन-सम्पत्ति, या रुपया-पैसा है। वित्तीय शब्द से हमारा तात्पर्य वित्त (धन-सम्पत्ति) की सुरक्षा करने का एक उपाय मात्र है।

वित्तीय हिन्दी जो हमारे धन-सम्पत्ति निवेश के प्रबंधन, निर्माण और अध्ययन से संबंधित मामलों के लिए ~~जि~~ व्यावसायिक प्रक्रिया का एक माध्यम है। साधारण शब्दों में अगर परिभाषित करें तो वित्तीय हिन्दी को व्यावसायिक हिन्दी के रूप में पाते हैं। इस इस तरह से परिभाषित कर सकते हैं- 'अपने धन-सम्पत्ति निवेश के मामले में जब किसी संस्था के साथ वार्ता या परिचर्चा करते हैं, उस समय ~~माध~~ माध्यम के रूप में जिस हिन्दी का प्रयोग करते हैं उसे वित्तीय हिन्दी कहते हैं।'

भाषा भी इसी के अनुकूल व्यावसायिक रही है। इसे हम व्यवसायी हिन्दी भी कहते हैं। व्यवसाय में काम आने वाली भाषा व्यावसायिक भाषा कहलाती है। सोना-चाँदी के विक्रेता शेयर बाजार का काम करने वाले तथा इसी तरह अन्य व्यापारों में लगे लोगों की भाषा में अपने व्यवसाय से संबंधित शब्दावली होती है और तथ्य को लिखने का एक ढंग होता है। व्यावसायिक हिन्दी के रूप में इस प्रकार से परिभाषित करते हैं- 'व्यवसाय से संबंधित ढंग और शब्दावली मिलकर जिस भाषा का निर्माण करते हैं वह भाषा स्वरूप की दृष्टि से व्यावसायिक हिन्दी कहलाती है।'

★ वित्तीय हिन्दी की उपयोगिता :-

वित्तीय हिन्दी के अन्तर्गत उन सारी प्रयुक्तियों की गणना करनी होगी जिनका संबंध उत्पादन की प्रस्तुति, वितरण, क्रय-विक्रय, विज्ञापन और आर्थिक - संचरण से है। व्यवसाय के माध्यम के रूप में उद्योग, प्रतिष्ठान, दुकान, व्यापारी, ग्राहक, बैंक, बीमा, परिवहन आदि सभी वित्तीय या व्यावसायिक हिन्दी के प्रयोग-क्षेत्र हैं।

निश्चय ही व्यावसायिक हिन्दी या वित्तीय हिन्दी एक विशिष्ट प्रयुक्ति - क्षेत्र की भाषा है। व्यावसायिक आर्थिक गतिविधियों से जुड़े लोग ही करते हैं। वित्तीय हिन्दी या व्यावसायिक हिन्दी की निम्न उपयोगिता है -

(i) दैनिक क्रय-विक्रय के क्षेत्र में हम इसका अधिक प्रयोग करते हैं।

(ii) वाणिज्य क्षेत्र में इसकी उपयोगिता महत्वपूर्ण होती है जो दो व्यक्तियों के बीच सेतु का काम करती है। जैसे- 'सोना उछला' कहने से सोना के दाम में वृद्धि को दर्शाता है।

(iii) यह दो व्यापारियों के बीच सामंजस्य (मेल-मिलाप) को जगाता है।

(iv) यह आर्थिक दीनदशा को समझने तथा परखने में सहयोग करती है तथा आर्थिक संचरण का विस्तार करती है।

(v) बैंक या बीमा के क्षेत्र में इसके माध्यम से समझाने तथा लाभ-हानि के संदर्भ में बात करने के लिए सरल बनाती है।

(vi) इसके माध्यम से अशिक्षित, शिक्षित तथा विद्वान भी सरलता के साथ अभिव्यक्ति प्रदान कर सकते हैं।

(vii) इसमें साधारण शब्द जैसे - कच्चा, निर्गत, धंधा, तेजी, मंदी, कारोबार, शेयर, थोक, खुदरा, आयात-निर्यात इत्यादि का प्रयोग कर इसकी महत्ता बढ़ाते हैं।

(viii) अभिव्यक्ति शैली का प्रयोग कर व्यापारिक बातों को कहने या लिखने के ढंग से हम अपना व्यावसायिक क्षेत्र का विस्तार करते हैं।

इस भाषा में न तो अलंकरण की गुंजाइश है और न लाक्षणिक - व्यंजनात्मक प्रयोग की। यह सरल भाषा अपनी शैली और शब्दावली से पहचानी जाती है। अंग्रेजी का वर्चस्व इस देश में बढ़ रहा है, लेकिन बहुत कम व्यवसायी अंग्रेजी के माध्यम से अपना कारोबार करते हैं।

★ **निष्कर्ष :-**

व्यवसाय के क्षेत्र में हिन्दी भाषा सबसे सहज और बोधात्मक भाषा है। वित्तीय या व्यावसायिक हिन्दी के रूप में घरेलू लेन-देन से लेकर वाणिज्यिक क्षेत्रों तक विस्तार पाते हैं। हमें अपने ही क्षेत्रों के लोगों से अधिकाधिक लेन-देन करना पड़ता है। इस दृष्टि से वित्तीय हिन्दी महत्वपूर्ण है।

वित्तीय हिन्दी व्यापारी वर्ग की प्रसन्नता, निराशा और संवेदना की भाषा बनकर पूरे व्यापार-कर्म को जीवन्त स्वरूप देती है।